मुख्यमंत्री भजनलाल ने आमजन के साथ होली का त्योहार मनाया

मुख्यमंत्री निवास पर ब्रज के गायन व नृत्य के साथ शेखावाटी की फाग मंडली ने रंग जमाया

जयपुर, 4 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को आमजन के साथ होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। मुख्यमंत्री निवास पर हुए होली महोत्सव में प्रदेश भर से हजारों की संख्या में आए लोगों ने फूलों और प्राकृतिक रंगों के साथ यह त्योहार मनाया। इस अवसर पर शर्मा ने सपत्नीक आमजन को गुलाल लगाया और फूलों की वर्षा कर सभी का अभिनन्दन किया।

- **जैसलमेर से धौलपुर तथा हनुमानगढ़ से बांसवाड़ा, विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में आए आमजन ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली का उत्सव मनाया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश भर से हजारों लोगों के साथ होली का त्योहार मनाया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन को गुलाल लगाया और फूलों की वर्षा कर सभी का अभिनन्दन किया।

इस पावन पर्व पर ब्रज से लेकर शेखावाटी तक की होली के विभिन्न रूप देखने को मिले। ब्रज से आए भारतीय कला संस्थान के कलाकारों एवं भजन मंडली ने गायन और नृत्य के साथ समां बांधा। वहीं, शेखावाटी के फतेहपुर की गो वत्स फाग मंडली के कलाकारों ने चंग के साथ धमाल मचाया। मुख्यमंत्री ने भी कलाकारों के बीच जाकर फाल्गुन के गीतों में साथ निभाया। बच्चे हों, बूढ़े हों, महिला हों या जवान, सभी में मुख्यमंत्री के साथ होली खेलने को लेकर अलग ही उत्साह नजर आया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों के इस त्योहार पर सभी को कटुता भुलाकर खुशियों के साथ जीवन बिताने का संकल्प लेना चाहिए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़, मंजू शर्मा, विधायक कुलदीप धनखड़, गोपाल शर्मा सहित, अन्य सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं जैसलमेर से धौलपुर और हनुमानगढ़ से बांसवाड़ा सहित, प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

विदेश मंत्रालय ने प. एशिया में भारतीय नागरिकों के लिए कंट्रोल रूम बनाया

नई दिल्ली, 04 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट को देखते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने वहां रहने वाले प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट को देखते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक कंट्रोल रूम बनाया है।

- **इस क्षेत्र में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं व इनकी सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।**

इसका मकसद वहां रहने वाले प्रभावित लोगों की मदद करना है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में लगभग 1 करोड़ भारतीय रहते हैं और उनकी सुरक्षा एवं कल्याण नई दिल्ली के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय में एक स्पेशल कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम से लोग सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं, जिसका टोल फ्री नंबर इस प्रकार 1800118797, 91 11 23012113, 91 11 23014104 और 91 11 23017905 है।

एसओजी ने 21 हजार के इनामी डमी परीक्षार्थी को गिरफ्तार किया

आरोपी ने 2023 की सहायक अभियंता (सिविल) परीक्षा में डमी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा दी थी

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए सहायक अभियंता (सिविल) भर्ती परीक्षा-2022 में डमी परीक्षार्थी बनकर परीक्षा देने वाले पच्चीस हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, एसओजी, विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 21 मई 2023 को आयोजित सहायक अभियंता (सिविल) (स्वायत्त शासन विभाग) प्रतियोगी परीक्षा में गड़बड़ी सामने आई थी। जांच में पता चला कि मूल अभ्यर्थी इंद्राज सिंह के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति ने डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा दी। प्रवेश पत्र में फोटो से छेड़छाड़ कर सुनियोजित तरीके से यह साजिश रची गई थी।

इस मामले में एसओजी ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पूर्व में मूल अभ्यर्थी इंद्राज सिंह सहित सहयोगी परमेश्वर लाल और सलमान खान को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है।

वहीं अनुसंधान के दौरान फरार चल रहे डमी परीक्षार्थी गुरदीप दास (31) निवासी आजाद नगर जिला हिसार (हरियाणा) की गिरफ्तारी के लिए पच्चीस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। उसे डीएसटी भरतपुर टीम के सहयोग से हरियाणा से पकड़कर एसओजी ने विधिवत

- **आरोपी गुरदीप दास पर हरियाणा व राजस्थान में सात अपराधिक मामले दर्ज हैं। पूर्व में भी वह विभिन्न परीक्षाओं में डमी के रूप में बैठने के मामलों में लिप्त पाया गया है।**

गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी गुरदीप दास ने ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से बाहरी सहायता प्राप्त कर परीक्षा दिलवाई और मूल अभ्यर्थी को अनुचित लाभ पहुंचाया। चौंकाने वाली बात यह है कि गुरदीप दास के पास कोई इंजीनियरिंग डिग्री नहीं है और वह मात्र 12वीं पास है। इसके बावजूद परीक्षा में उसकी सफलता से पेपर लीक की आशंका भी गहराई है, जिसकी जांच की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया कि मूल अभ्यर्थी इंद्राज सिंह के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री होने के बावजूद उसने सिविल अभियंता पद के लिए आवेदन किया और डमी परीक्षार्थी के माध्यम से परीक्षा उत्तीर्ण कर सरकारी सेवा प्राप्त करने का प्रयास किया।

अब तक इस प्रकरण में एक मूल अभ्यर्थी, एक डमी परीक्षार्थी और दो सहयोगियों सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

एसओजी के अनुसार आरोपी गुरदीप दास के खिलाफ हरियाणा और राजस्थान में कुल सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूर्व में भी वह विभिन्न परीक्षाओं में डमी के रूप में बैठने के मामलों में लिप्त पाया गया है। इस मामले में पेपर लीक और ब्लूटूथ नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ जारी है। एसओजी का कहना है कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एमवीए ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संयुक्त उम्मीदवार बनाए जाने की सहमति दी है। सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार कल राज्यसभा के लिए अपना नामांकन भरेंगे और महाविकास अघाड़ी को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि वे इस सिलसिले में मंगलवार को शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मिली थीं और उद्धव ठाकरे ने भी शरद पवार को समर्थन दिया है। सुप्रिया सुले ने उद्धव ठाकरे का भी आभार व्यक्त किया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि शरद पवार हमारे वरिष्ठ नेता हैं और इसी वजह से पार्टी ने पवार को समर्थन दिया है।

तेहरान के ट्रैफिक कैमरों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के एक साधारण से हिस्से की गतिविधियाँ इज़रायल को दिखला दीं।

जटिल एल्गोरिद्म् के माध्यम से सुरक्षा कर्मियों के बारे में विस्तृत डोज़ियर तैयार किए गए, जिनमें उनके पते, ड्यूटी के घंटे, कार्यस्थल तक आने-जाने के मार्ग और सबसे महत्वपूर्ण, वे आम तौर पर किसकी सुरक्षा और आवागमन की जिम्मेदारी संभालते थे, जैसी जानकारी शामिल थी। खुफिया अधिकारी इसे "पैटर्न ऑफ लाइफ" तैयार करना कहते हैं।

यह प्रयास कई वर्षों से चल रहे खुफिया अभियान का हिस्सा था, जिनके 86 वर्षीय अयातुल्ला की हत्या का मार्ग प्रशस्त किया।

रियल-टाइम ट्रैफिक डेटा की निगरानी उन तरीकों में से एक थी, जिसके जरिए इज़रायल और सैंट्रल इन्टैलिजैंस एजेंसी (सीआईए) यह तय कर सके कि शनिवार सुबह सर्वोच्च नेता ठीक किस समय अपने कार्यालय में होंगे और उनके साथ कौन-कौन मौजूद रहेगा।

इससे पहले "रॉयटर्स" ने भी रिपोर्ट किया था कि इज़रायली खुफिया एजेंसियों ने तेहरान के केन्द्र में स्थित नेतृत्व परिसर में शनिवार सुबह एक बैठक का पता लगाया था, जिसके बाद हमले का समय पहले कर दिया गया।

महत्वपूर्ण रूप से, सीआईए को यह जानकारी मिल गई थी कि सर्वोच्च नेता उस समय परिसर में मौजूद होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल पाश्चर स्ट्रीट के आसपास स्थित लगभग एक दर्जन मोबाइल फोन टावरों के कुछ हिस्सों को अवरूद्ध करने में भी सक्षम रहा। इससे फोन कॉल करने पर लाइन व्यस्त दिखाई देती थी और खामनेई की सुरक्षा टीम संभावित चेतावनियां प्राप्त नहीं कर सकी।

तेहरान की इस विस्तृत खुफिया तस्वीर के पीछे लंबे समय तक किया गया डेटा संग्रह था। यह इज़रायल की उन्नत सिग्नल इंटेलिजेंस इकाई युनिट 8200, उसकी विदेशी खुफिया एजेंसी मोसाद द्वारा भर्ती मानव स्रोतों और सैन्य खुफिया द्वारा रोज़ाना तैयार किए जाने वाले विश्लेषणात्मक ब्रीफ का परिणाम था।

रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल ने करोड़ों डेटा बिंदुओं का विश्लेषण करने के लिए सोशल नेटवर्क एनालिसिस नामक गणितीय पद्धति का उपयोग किया।

पिछले जून में 12 दिन तक चले युद्ध के दौरान इज़रायल की खुफिया बढ़त स्पष्ट रूप से दिखाई दी, जब शुरुआती हमले में ही एक साथ दर्जन से अधिक ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों और उच्च सैन्य अधिकारियों की हत्या कर दी गई थी।

वरिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संपादक के रूप में उनके योगदान की विरासत सदैव याद रखी जाएगी।"

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरुर ने उन्हें "पत्रकारिता का दिग्गज" बताते हुए श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, "पद्म भूषण, पूर्व राज्यसभा सांसद, संपादक, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार और डेनमार्क में भारत के पूर्व राजदूत, एच के दुआ के आज दोपहर 88 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक निधन के समाचार से शोक -संतप्त हूँ।"

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी उनके निधन पर दुख जताया और दबाव के समय में भी उनकी निष्पक्षता और दृढ़ता की सराहना की।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, "एच. के. दुआ के निधन का समाचार दुखद है। वे उस दौर के संपादक थे, जब संपादक होना वास्तव में मायने रखता था।"

कतर ने भारत को गैस आपूर्ति में 40 प्रतिशत की कटौती की

ईरान द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर किए जा रहे हमले के कारण कतर ने यह कदम उठाया है

नई दिल्ली, 04 मार्च। अमेरिका-इज़रायल की ईरान के साथ जारी जंग का असर अब भारत समेत, दुनिया के अन्य देशों पर दिखने लगा है। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए जा रहे ईरान के जवाबी हमलों को देखते हुए कतर ने भारत को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 40 प्रतिशत कटौती का फैसला किया है।

भारत को प्राकृतिक गैस के सबसे बड़े सप्लायर कतर ने ईरानी ड्रोन हमले के बाद उत्पादन रुकने के कारण, एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) की आपूर्ति पर फोर्स मेज्योर (अपरिहार्य

- **भारत कुल 2.7 करोड़ टन प्राकृतिक गैस का आयात करता है, इसमें से 40 प्रतिशत की आपूर्ति कतर से होती है।**

परिस्थिति) घोषित कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, इस बाधा के चलते भारतीय उद्योगों को मिलने वाली गैस आपूर्ति में 10 से 40 प्रतिशत तक कटौती की गई है। कतर हर साल भारत की ओर से आयात की जाने वाली करीब 2.7 करोड़ टन एलएनजी में से लगभग 40 प्रतिशत सप्लाई करता है।

सूत्रों के मुताबिक, गैस आयातक पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने गैस मार्केटिंग कंपनियों को सूचित किया है कि ईरान की ओर से खाड़ी देशों पर हमले जारी रहने के कारण कतर में एलएनजी उत्पादन ठप हो गया है। इन हमलों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और एलएनजी की ढुलाई लगभग रुक गई है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेजी आई है और बीमा व शिपिंग लागत भी बढ़ गई है। ईरान इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को नियंत्रित करता है, जहां से भारत के लगभग 50 प्रतिशत कच्चे तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी आयात गुजरते हैं।

पेट्रोनेट के पास कतर से सालाना 85 लाख टन एलएनजी खरीदने का दीर्घकालिक अनुबंध है। इसके अलावा, वह हाजिर बाजार से भी कतर की एलएनजी खरीदती है।

पेट्रोनेट के अलावा, आईओसी जैसी कंपनियों के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ भी एलएनजी आयात अनुबंध हैं।

खामेनेई का अंतिम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। अंतिम दर्शन का आयोजन करने वाली संस्था, तेहरान की इस्लामिक डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन काउंसिल के प्रमुख मोहसेन महमूद ने मीडिया को बताया कि इसका एक प्रमुख कारण लाखों लोगों की मौजूदी की आशंका है।

समाचारों के अनुसार अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही हैं और इसमें भारी भीड़ जुटने की आशंका है, जिसके चलते शोक सभा पर अमेरिका-इज़रायल के हमलों का खतरा मंडरा रहा है। 1989 में अयातुल्ला रुहोल्लाह खुमैनी के अंतिम संस्कार में लगभग 1 करोड़ लोग शामिल हुए थे।

यह रिपोर्ट ईरान की इस्लामिक प्रचार परिषद के प्रमुख हुज्जतोलेस्लाम महमूद के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें उन्होंने पहले कहा था कि विदाई समारोह तेहरान के इमाम खुमैनी प्रार्थना कक्ष में रात 10 बजे (18:30 जीएमटी) शुरू होगा और तीन दिनों तक चलेगा।

महमूद ने कहा कि प्रार्थना कक्ष आने वाले लोगों के लिए खुला रहेगा और प्रिय लोग विदाई समारोह में शामिल हो सकते हैं ।

महाराष्ट्र में भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए चार प्रत्याशी घोषित किए

नई दिल्ली, 04 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र समेत 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए चार उम्मीदवारों की दूसरी सूची बुधवार को जारी की। इसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री एवं आरपीआई (ए) के प्रमुख रामदास अठावले और भाजपा महासचिव विनोद तावड़े के नाम शामिल हैं, जिनको महाराष्ट्र से उम्मीदवार बनाया गया है।

भारत और चीन ने खामनेई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा, "भारत शांति और स्थिरता के पक्ष में है।"

उन्होंने कहा, "भारत हमेशा ऐसे विवादों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की वकालत करता रहा है", और इस प्रकार संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान पर नई दिल्ली की पुरानी नीति को दोहराया।

वैश्विक प्रतिक्रियाओं के सर्वेक्षण से एक स्पष्ट रुझान सामने आता है। किसी भी जी-7 लोकतंत्र ने शोक संदेश जारी नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने ख़ामेनेई को "इतिहास के सबसे दुष्ट लोगों में से एक" बताया।

इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, "47 वर्षों तक इस शासन ने 'इज़रायल की मौत' का नारा लगाया। न्याय हो गया है।"

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली ने उन्हें "सबसे दुष्ट, हिंसक और क्रूर व्यक्तियों में से एक" बताया।

यूक्रेन सरकार के आधिकारिक अकाउन्ट ने पोस्ट किया, "तानाशाह की मौत से बढ़कर कुछ नहीं।"

ब्रिटेन के डिफेन्स सेक्रटरी जॉन हीली ने कहा कि "दुष्ट शासन" के नेता के लिए बहुत कम लोग शोक मनाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एन्टनी अल्बानेज़ ने ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों और प्रॉक्सी समर्थन का उल्लेख किया, जबकि फ्रांस सरकार की प्रवक्ता ने कहा कि वे "उनकी मौत से ही संतुष्ट हो सकते हैं।"

दुबई एयरपोर्ट पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, जिससे एयरलाइंस को उड़ानों का मार्ग बदलने या पूरी तरह संचालन निलंबित करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इसका प्रभाव तत्काल और गंभीर रहा है। यूरोप, एशिया और भारत से आने-जाने वाली कई उड़ानें या तो बीच रास्ते में रद्द कर दी गईं या घंटों हवा में रहने के बाद वापस लौटा दी गईं। हजारों यात्रियों की यात्राएँ अचानक बीच में ही रोक दी गईं।

दुबई का हवाई अड्डा, जो सामान्यतः चौबीसों घंटे अत्यंत सुव्यवस्थित संचालन के लिए जाना जाता है, अब असाधारण प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। हवाई क्षेत्र तक पहुँच गंभीर रूप से सीमित होने के कारण, आगमन और प्रस्थान दोनों ऐतिहासिक रूप से निम्न स्तर पर आ गए हैं।

2 मार्च 2026 के आँकड़े स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं। फ्लाइटट्रेडर 24 के अनुसार, उस दिन दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुल मिलाकर केवल 20 विमानों का ही संचालन हुआ, 16 विमानों ने उड़ान भरी थी और 4 विमान हवाई अड्डे पर उतरे थे।

ईरान-अमेरिका-इज़रायल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में लगभग दस जहाज़ों पर हमले हो चुके हैं और यह संकरा समुद्री मार्ग ईरान के बहुत पास होने के कारण इसे तुरंत पूरी तरह सुरक्षित करना आसान नहीं है। हालांकि अमेरिका दावा कर रहा है कि वह जल्द ही इस जलडमरूमध्य को सुरक्षित कर देगा। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने होरमुज़ से गुजरने वाले तेल टैंकरों को अमेरिकी नौसेना की सुरक्षा देने का वादा किया है।

प्रमुख शिपिंग कंपनियों, मार्स्क और हापाग लॉयड, ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से माल ढुलाई के लिए नई बुकिंग स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने श्रीलंका के पास अमेरिकी टॉरपीडो से ईरानी युद्धपोत डुबोने की पुष्टि की और कहा कि अगले चरण में ईरान पर हमले और तेज किए जाएंगे। उन्होंने एक प्रेस वार्ता में दावा किया कि अमेरिका निर्दयता से युद्ध जीत रहा है।

उन्होंने पिछले चार दिनों में बड़ी सफलताओं का दावा करते हुए कहा कि युद्ध शुरू हुए अभी केवल चार दिन ही हुए हैं। सामान्य तौर पर युद्ध के समय अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में दुश्मन के युद्धपोत हमले के लिए सही लक्ष्य माने जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि वह जहाज़ तटीय जल में था या अंतरराष्ट्रीय जल में। उन्होंने हमलों का लैवल और

- **नाटो देशों में भी मतभेद उत्पन्न हो गए हैं, स्पेन ने अपने हवाई अड्डों को अमेरिकी हवाई जहाजों के उपयोग में लाने से मना कर दिया है तथा कुपित ट्रंप ने स्पेन को चेतावनी दी है कि वह स्पेन से कोई व्यापारिक खरीद-फरोख्त के संबंध नहीं रखेगा।**

बढ़ाने तथा ईरान पर कड़ा प्रहार करने की चेतावनी भी दी।

ईरानी पनडुब्बी फरवरी की शुरुआत से ही इन जलक्षेत्रों में मौजूद थी। वह भारत के संरक्षण में आयोजित एक संयुक्त अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने आई थी, जिसमें कई देशों के युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल हुई थीं।

भारत ने अब तक हिंद महासागर में, युद्ध क्षेत्र से दूर, इस जहाज़ के डूबने पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। लेकिन, भारतीय जलक्षेत्र के पास इस तरह की कोई भी घटना दोबारा होने पर भारत के लिए काफी चिंता और मुश्किल स्थिति पैदा हो सकती है।

श्रीलंकाई नौसेना और सरकार ने कहा है कि एक समुद्री राष्ट्र होने के नाते कोई भी संकट संदेश (एसओएस) मिलने पर वो बचाव अभियान चलाएंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि चीन के श्रीलंका में कुछ नौसैनिक अड्डे और गतिविधियां हैं। यदि किसी भी तरह से चीनी जहाज़ इस संघर्ष की चपेट में आते हैं, तो इससे बड़ा संकट पैदा हो सकता है। इस बीच अमेरिका को दुनिया भर में उस घटना के लिए कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें लड़कियों के एक स्कूल पर बमबारी में कई स्कूली बच्चों की मौत हो गई। ईरान ने इन बच्चों के शवों के साथ अंतिम यात्रा निकाली। इस घटना के बारे में पूछे जाने पर हेगसेथ ने प्रेस वार्ता में आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका मामले की जांच कर रहा है।

हमलों के जवाब में ईरान ने तुर्की में नाटो के हवाई अड्डों पर हमला किया। इसके अलावा, कतर में कुछ अमेरिकी ठिकानों को भी ईरानी मिसाइल हमलों से गंभीर नुकसान हुआ है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 1.2 अरब डॉलर मूल्य की एक विशाल रडार प्रणाली पूरी तरह निष्क्रिय हो गई है।

इस युद्ध के प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव शुरू हो गया है और निवेशकों तथा संस्थानों को बड़े नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था गंभीर गिरावट की ओर जा सकती है।

पूर्व विदेश मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ पेश करना चाहता था।

मुद्दा कश्मीर में मानवाधिकार उल्लंघन का था और आरोप लगाए जा रहे थे कि भारत सरकार और भारतीय सेना कश्मीरियों पर अत्याचार कर रही है। मामला तब गंभीर हो गया, जब लगभग सभी मुस्लिम देशों ने पाकिस्तान के प्रस्ताव का समर्थन करने पर सहमति जता दी।

हुर्रियत नेताओं ने दिल्ली आकर ईरानी राजदूत से मुलाकात की और समर्थन मांगा। राजदूत ने अपनी सरकार से बात करने का आश्वासन दिया।

इसी बीच चिंतित प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव ने महसूस किया कि भारत की प्रतिष्ठा दांव पर है और तत्काल कूटनीतिक हस्तक्षेप आवश्यक है। उस समय विदेश मंत्री राजा दिनेश सिंह गंभीर रूप से बीमार थे और अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें अस्पताल से व्हीलचेयर पर बाहर लाया गया और प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हाराव का एक पत्र लेकर 72 घंटे की यात्रा पर ईरान भेजा गया।

वे ईरान पहुँचे, और वहाँ के विदेश मंत्री से मुलाकात की और अपनी यात्रा की तात्कालिकता समझाई। राजा दिनेश सिंह को प्रतीक्षा करने के लिए कहा गया। इसके बाद ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व की एक आपात बैठक हुई।

बैठक के बाद गंभीर रूप से बीमार दिनेश सिंह यह शुभ समाचार लेकर नई दिल्ली लौटे कि ईरान, पाकिस्तान के

- **दिनेश सिंह अपनी जिम्मेवारी पूरी करके पुनः अस्पताल गए और वहीं अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी।**

भारत-विरोधी प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगा।

नियमों के अनुसार, प्रस्ताव का सर्वसम्मति से पारित होना आवश्यक था, यदि एक भी देश असहमति जताए, तो प्रस्ताव वैध नहीं माना जाता। ठीक यही हुआ। ईरान के रुख के कारण प्रस्ताव पारित नहीं हो सका और भारत एक बड़े सार्वजनिक अपमान से बच गया। भारत के प्रति ईरान के इस रुख ने उस समय भारत को महत्वपूर्ण कूटनीतिक राहत दी।

ईरान से लौटने के बाद राजा दिनेश सिंह की तबियत और बिगड़ गई। वे फिर अस्पताल में भर्ती हुए और राष्ट्र के प्रति अपना यह कर्तव्य निभाने के बाद उनका निधन हो गया। जो लोग यह कहते हैं कि ईरान कभी भारत के साथ नहीं खड़ा हुआ, उन्हें अपने इतिहास को फिर से देखना चाहिए। और शायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी भारतीय इतिहास, भारत की विदेश नीति और यह समझने की आवश्यकता है कि समय के साथ वह किस प्रकार परिवर्तित हुई है।

क्या विश्व तीसरे विश्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्तक्षेप करते हैं, या यदि नाटो को सीमित अमेरिकी भागीदारी से आगे बढ़कर औपचारिक रूप से लंबे समय तक युद्ध में शामिल होना पड़ता है, तो रणनीतिक स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी। अब तक बीजिंग और मॉस्को, दोनों ने सैनिक भेजने या खुली सैन्य कार्रवाई करने के बजाय, स्वयं को केवल कूटनीतिक बयान, सख्त शब्दों और सावधानी की नीति तक सीमित रखा है।

इतिहास कुछ दृष्टिकोण देता है। 1980 के दशक का ईरान-इराक युद्ध बहुत ही क्रूर और अस्थिर करने वाला था, फिर भी वह वैश्विक युद्ध में नहीं बदला। 1991 और 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में इराक पर हुए हमलों ने क्षेत्र की स्थिति बदल दी, लेकिन वे महाशक्तियों के बीच सीधे युद्ध का कारण नहीं बने। सीरिया का लंबा संघर्ष भी, जिसमें कई बाहरी शक्तियाँ शामिल थीं, सीधे बड़ी शक्तियों के युद्ध तक नहीं पहुँचा। आज की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, गहरी दुश्मनी के बावजूद, परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच सीधे टकराव के विनाशकारी परिणामों को लेकर बहुत ज्यादा सचेत है।

फिर भी खतरा, जानबूझकर बनाई गई योजना में कम, और गलत आकलन में ज्यादा छिपा है। पहला विश्व युद्ध इसलिए शुरू नहीं हुआ था कि नेता विश्व युद्ध चाहते थे; वह इसलिए फैल गया, क्योंकि गठबंधनों, सैनिक तैयारियों और जवाबी कार्रवाइयों ने हालात को नियंत्रण से बाहर कर दिया। वर्तमान स्थिति में खतरा यह है कि कहीं कोई भटकी हुई मिसाइल बड़ी संख्या में अमेरिकी सैनिकों को नुकसान पहुँचा दे, खाड़ी क्षेत्र के किसी महत्वपूर्ण ढाँचे पर हमला क्षेत्रीय देशों को पूरी तरह युद्ध में खींच ले, या होर्मुज़ जलडमरूमध्य में नौसैनिक टकराव बड़े समुद्री संघर्ष में बदल जाए। जब राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और घरेलू राजनीति जुड़ जाती है, तो तनाव बहुत तेजी से बढ़ सकता है।

स्थिति को नियंत्रित रखने वाला एक और कारण है, एक-दूसरे पर आर्थिक निर्भरता। लंबा वैश्विक युद्ध तेल आपूर्ति, व्यापार मार्गों और वित्तीय बाज़ारों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। अमेरिका और चीन सहित, बड़ी शक्तियाँ आर्थिक रूप से एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। एक दूसरे पर यह निर्भरता, रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद, एक प्रकार के ब्रेक का काम करती है।

तो क्या हम तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं? अभी की स्थिति में यह लड़ाई गंभीर क्षेत्रीय युद्ध बनी हुई है, जिसके वैश्विक आर्थिक प्रभाव तो हैं, लेकिन यह कई गुटों के बीच होने वाला वैश्विक सैन्य टकराव नहीं है। तनाव बढ़ने की संभावना मौजूद है और भू-राजनीतिक माहौल निश्चित रूप से गरम है, लेकिन स्थिति को सीमित रखने की अभी भी गुंजाइश है। यह गुंजाइश बनी रहेगी या नहीं, यह वॉशिंगटन, तेहरान और यरुशलम के संयम पर निर्भर करेगा, और साथ ही बीजिंग और मॉस्को की रणनीतिक सोच पर भी।

संक्षेप में, दुनिया कुछ सप्ताह पहले की तुलना में एक खतरनाक मोड़ के करीब है, लेकिन अभी वह विश्व युद्ध की सीमा रेखा पर नहीं पहुँची है। आने वाले दिन और कूटनीतिक प्रयास तय करेंगे कि यह संघर्ष क्षेत्रीय ही रहेगा या कहीं अधिक अस्थिर करने वाली स्थिति में बदल जाएगा।

जगन्नाथ मंदिर का खजाना खुलेगा, 25 मार्च से सूची बनेगी

पुरी, 04 मार्च। ओडिशा सरकार ने श्री जगन्नाथ मंदिर के बहुचर्चित 'रत्न भंडार' की गिनती और सूची तैयार करने की प्रक्रिया 25 मार्च से शुरू करने का निर्णय लिया है। दोपहर 12:12 बजे से 1:45 बजे तक शुभ मुहूर्त में यह ऐतिहासिक कार्य आरंभ होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600